BSES YAMUNA BSES RAJDHANI
BSES Bhawan, Nehru Place, New Delhi – 110019

March 17, 2007

रेलवे पकड़ा गया बिजली चोरी में, 62.73 लाख का जुर्माना

पूरी निजामुद्दीन रेलवे कॉलोनी कर रही थी चोरी की बिजली का इस्तेमाल

- निजामुद्दीन रेलवे कॉलोनी में कहीं भी बिजली मीटर नहीं।
- घरेलू जरूरतों के साथ साथ स्ट्रीटलाइटें, कॉरिडोर लाइटिंग और पंपिंग स्टेशंस भी चल रहे थे, चोरी की बिजली से।
- 150 किलोवॉट से अधिक की बिजली चोरी हो रही थी।
- रेलवे पर किया गया 62.73 लाख का जुर्माना।
- हालांकि लोग इस्तेमाल कर रहे थे चोरी की बिजली, लेकिन उनसे रेलवे वसूल रहा था बिल।
- कॉलोनी के 50 घर, एक वॉटर पंपिंग स्टेशन, कॉलोनी के भीतर की स्ट्रीटलाइटें, कॉरिडोर लाइटिंग- तमाम कुछ बीएसईएस की चोरी की बिजली से चल रहे थे।
- बीएसईएस ने रेलवे को जल्द से जल्द जुर्माना अदा करने, और कॉलोनी में बिजली कनेक्शन को नियमित करने का अल्टीमेटम दिया है, अन्यथा सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और कॉलोनी की बिजली भी काट दी जाएगी।
- उत्तरी रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में बीएसईएस ने लाई बात।
- इस बारे में बीएसईएस ने रेलवे को पत्र लिखा, जिसमें कहा गया, "रेलवे ने अपने एंप्लॉई क्वॉटर्स में अपने बिजली के मीटर लगाए हैं और वह उपभोक्ताओं से पैसे भी वसूल रहा है, जबकि वितरण को कोई पैसा नहीं दिया जा रहा।"
- हालांकि शुरू में रेलवे ने बीएसईएस के आरोपों को यह कहकर नकार दिया कि निजामुद्दीन रेलवे कॉलोनी में बीएसईएस द्वारा उपलब्ध कराई जा रही बिजली ही इस्तेमाल हो रही है, जो कि निजामुद्दीन रेलवे स्टे शन से वहां दी जाती है।
- लेकिन एक साझा निरीक्षण में यह बात साफ हो गई कि रेलवे का दावा सच नहीं है, क्योंकि यहां पास में ही स्थित प्रताप नगर बिजली सब स्टेशन से बिजली की चोरी की जा रहा थी।
- दूध का दूध और पानी का पानी तब बिल्कुल साफ हो गया, जब बीएसईएस के लोगों ने अपने प्रताप पगर बिजली सब स्टेशन की बिजली काटी, तो इस कॉलोनी की भी बिजली गुल हो गई।
- बीएसईएस रेलवे से लगातार कहती आ रही है कि उसके इलाके में रेलवे से संबंधित जितनी भी चीजें है, वह उनके बारे में बीएसईएस को बताए और बिजली कनेक्शनों को नियमित कराए।
- ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि रेलवे कॉलोनियों में बिजली चोरी के और भी मामले सामने आ सकते हैं। इन चोरियों से भारी तकनीकी व व्यावसायिक घाटा हो रहा है और बिजली की कीमत पर भी इसका विपरीत असर पड़ता है।

बीएसईएस अपने सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध करती है कि वे आगे आएं और ३९९९९ ७७७ (बीआरपीएल) और ३९९९९ ८८८ (बीवाईपीएल) पर बिजली चोरी की जानकारी दें। वे ईमेल से भी हमें बिजली चोरी के बारे में बता सकते हैं- **theft.bypl@bsesdelhi.com** (बीवाईपीएल) और **theft.brpl@bsesdelhi.com** (बीआरपीएल)।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस
39999870/ 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस
39999840/ 9350130304